D.ED. (2 YEAR) DUE EXAMINATION, 2020

(DE-306) PEDAGOGY OF SANSKRIT TEACHING

Paper –VI

Time: – TWO Hours **M.M.: –70**

NOTE – Attempt any FOUR questions. All questions carry equal marks.

1. निम्नांकित पधावतरण में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

   मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरि सोई |
   जा तन की झाईं परे;स्यामु हेरित-दुति होइ ||
   निकी दई अनाकनी, फीकी परी गुहरी |
   तज्यों मनों तारन- बिरदु बारक बारनु तारि ||

   अथवा

   'देव' न देखति है दुति दूसरी, देखें हैं जो दिन तें ब्रज-भूप मै |
   पुरि रही री ! वही धुनि- कानन, आन न आनन ओप अनूप में |
   ये अँखियां सखियां ! न हमारि मै |
   जाय मिली जल-बुन्द्र ज्यों कूप मै |
   कोटि उपाय न पाइये फेरि, समाइ गयी रंग-राइ के रूप मै ||

2. बिहारी के काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए|

   अथवा

   बिहारी की भक्ति भावना पर निबंध लिखिए |
   देव के काव्य की सामान्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिए|

   अथवा

   ''देव रीतिबहू काव्य के प्रमुख कवि हें'' सिद्ध कीजिए|

3. रीतिकालीन कविता में भूषण के योगदान को रेखंकित कीजिए|

   अथवा

   'भूषण वीररस के सफल कवि है'; सिद्ध कीजिए|

4. धनानन्द के काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए|

   अथवा

   पदमाकर के काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए |